तेवर वही, अंदाज नया .....!
साप्ताहिक
उज्जैन टाइम्स
प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा
RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 15 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 09-01-2024 से 15-01-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

सुकन्या समृद्धि

क्यों लड़की के लिए शानदार उत्पाद है?

सुकन्या समृद्धि योजना भारत सरकार की एक बचत योजना है, जिसका उद्देश्य नियमित जमा के माध्यम से बालिकाओं की बेहतरी के लिए है, जैसे-जैसे वर्ष बीतते हैं, व्यक्ति पर्याप्त धनराशि बना सकता है, जिसका उपयोग बच्चे के जीवन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए किया जा सकता है। SSY खाते में माता-पिता हर साल अधिकतम 1.5 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। वर्तमान ब्याज दर लगभग 8.2% है, परिपक्वता अवधि 21 वर्ष या लड़की की शादी होने तक है।

सुकन्या समृद्धि योजना बालिकाओं के लिए एक शानदार छोटी बचत योजना है, यह पूरी तरह से कर मुक्त है

Key Features of Sukanya Samriddhi Yojana (SSY)	
Interest Rate	8% p.a. (compounded annually)
Minimum Investment	Rs. 250 in a financial year
Maximum Investment	Rs. 1.5 lakh in a financial year
Maturity Period	When girl child is 21 years old or on marriage after 18 years of age
Eligibility to age limit	Girl child must be 10 years old or younger at the time of account opening

निष्कर्ष

❍ SSY आपकी बालिकाओं के लिए पैसे बचाने की एक शानदार योजना है।
❍ यह कराधान से पूरी तरह मुक्त है जो एक बड़ा फायदा है।
❍ यह उपलब्ध सर्वोत्तम ऋण उत्पादों में से एक है।
❍ एकमात्र दुष्परिणाम 21 वर्षों तक लंबे समय तक लॉक इन रहना है।

पात्रता मापदंड

भारत सरकार ने सुकन्या समृद्धि योजना को निम्नलिखित के लिए सुलभ बना दिया है-

❍ लड़की के माता-पिता या वैध अभिभावक।

❍ खाता खोलने के समय बालिका की आयु 10 वर्ष से कम होनी चाहिए।

❍ एक अकेली लड़की के पास कई सुकन्या समृद्धि खाते नहीं हो सकते

❍ एक बालिका के लिए केवल एक खाते की अनुमति है।

❍ एक परिवार केवल 2 SSY योजना खाते खोल सकता है।

ब्याज दर-

❍ ब्याज वार्षिक देय है।

❍ ब्याज प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में जमा किया जाता है।

❍ ब्याज दर सरकार द्वारा तय की जाती है और हर तिमाही में बदलती है।

एक साल में कितना पैसा जमा किया जा सकता है

15 वर्षों तक प्रति वर्ष न्यूनतम 250 रुपये जमा करना आवश्यक है। एक वित्तीय वर्ष में निवेश की जा सकने वाली अधिकतम राशि 1.5 लाख है।

SSY खाते की परिपक्वता-आपके सुकन्या समृद्धि खाते के 21 वर्ष पूरे होने पर, आप ब्याज सहित शेष राशि निकाल सकते हैं। खाता परिपक्व होने पर अर्जित ब्याज सहित संचित शेष राशि लाभार्थी को भुगतान की जाएगी।

आंशिक निकासी-आपके सुकन्या समृद्धि खाते की शेष राशि का 50% तक आंशिक निकासी की अनुमति दो कारणों से है।

❍ विवाह या लड़कियों की उच्च शिक्षा।

सुकन्या समृद्धि खाता कैसे खोलें?

आप निम्नलिखित में से किसी एक पर जाकर सुकन्या समृद्धि खाता खोल सकते है-

❍ बैंक जैसे एसबीआई, यूनियन बैंक आदि।

❍ डाकघर।

सुकन्या समृद्धि योजना पर कर लाभ-यह योजना छूट-छूट-छूट (ईईई) स्थिति के साथ आती है। सुकन्या समृद्धि योजना में आपका निवेश आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर कटौती के लिए पात्र है। 1.5 लाख तक की कटौती की अनुमति है। आपके निवेश पर मिलने वाले ब्याज पर भी टैक्स से छूट मिलती है। आपको मैच्योरिटी या निकासी पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। आपके सुकन्या समृद्धि निवेश का कोई भी हिस्सा इसकी ईईई स्थिति के कारण किसी भी कर को आकर्षित नहीं करता है।

सम्पादकीय

बांग्लादेश में शेख हसीना कामयाब

बांग्लादेश में हुए ताजा चुनावों के दौरान कम मतदाताओं और विपक्षी दलों की लगभग अनुपस्थिति को देखते हुए नतीजे बिल्कुल आकलन और उम्मीद के मुताबिक आए। इसमें अवामी लीग पार्टी को भारी जीत मिली और एक बार फिर शेख हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश में नई सरकार का गठन होना तय है। यानी कहा जा सकता है कि चुनावों से पहले ही उपजी अलग-अलग परिस्थितियों के बीच शेख हसीना और उनकी पार्टी के लिए एक तरह से अनुकूल स्थिति थी और उनके सामने राजनीतिक चुनौती न के बराबर थी। मगर अब देखने की बात होगी कि खाली मैदान में हासिल चुनावी जीत के बाद बनने वाली सरकार और शासन-तंत्र में लोकतंत्र कितना सुरक्षित रह पाएगा। गौरतलब है कि रविवार को हुए चुनावों में शुरू में बहुत कम यानी 27.15 फीसद मतदान हुआ, मगर बाद में यह आंकड़ा चालीस फीसद तक पहुंच गया, जिस पर सवाल भी उठे। इसके बावजूद कहा जा सकता है कि वहां विपक्षी दलों के चुनावी बहिष्कार के आह्वान का खासा प्रभाव पड़ा। यह बेवजह नहीं है कि चुनाव के मैदान में लगभग एकतरफा लड़ाई और जीत के बाद सबसे ज्यादा इस बात को लेकर चिंता जताई जा रही है कि वहां लोकतंत्र का भविष्य क्या रहेगा। दरअसल, पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के साथ-साथ पंद्रह अन्य राजनीतिक दलों ने चुनाव का बहिष्कार किया था। इस बीच चुनावों से पहले ही शेख हसीना सरकार ने बड़ी संख्या में कई प्रतिद्वंद्वी नेताओं और उनके समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया था, जिसकी तीखी निंदा हुई थी। ऐसी स्थिति में हुए चुनावों में अगर अवामी लीग पार्टी को तीन सौ सीटों वाली संसद में दो सौ तेईस सीटें मिलीं, तो इसे अनुकूल बिसात पर मिली जीत कहा जा सकता है। नतीजों के बाद संसद में मुख्य विपक्षी दल जातीय पार्टी को ग्यारह और बांग्लादेश कल्याण पार्टी को एक सीट पर जीत मिली, जबकि बासठ निर्दलीय उम्मीदवारों को विजय मिली। नई संसद में अब सत्ताधारी दल को संख्या के मुताबिक जो हैसियत मिलेगी, उसमें संसद में होने वाली बहसों से लेकर नीतिगत निर्णयों के मामले में विपक्ष की आवाज को कितनी जगह मिलेगी, यह समझना मुश्किल नहीं है। इस लिहाज से, बांग्लादेश में अगर इस बात की आशंका जताई जा रही है कि अवामी लीग की जीत के बाद वहां एक पार्टी के शासन वाली व्यवस्था स्थापित हो सकती है, तो यह बेवजह नहीं है। यों किसी भी शासन में अगर विपक्ष और उसके नेताओं के सवालों के लिए जगह सिमटती है, तो इससे वहां लोकतंत्र का हनन होता है। हालांकि देश की आर्थिक स्थिति में सुधार के मामलों में शेख हसीना के हिस्से कुछ कामयाबियां जरूर दर्ज हैं। बीते एक दशक के दौरान आर्थिक मोर्चे पर सुधार की बदौलत बांग्लादेश में प्रतिव्यक्ति आय में करीब तीन गुना बढ़ोतरी हुई और काफी तादाद में लोग गरीबी से बाहर निकले। मगर फिलहाल महंगाई से लेकर कर्ज तक के मामले में देश की तस्वीर काफी बिगड़ी है। जाहिर है, अवामी लीग पार्टी और उसकी नेता शेख हसीना बांग्लादेश में लोकतंत्र को लेकर जताई जाने वाली आशंका को निराधार साबित करना चाहती हैं, तो उन्हें राजनीतिक-आर्थिक से लेकर जनहित के मोर्चों पर एक साथ काम करने होंगे। बांग्लादेश की सरकार को भारत का साथ मिलता रहा है, मगर इसका भविष्य शायद इस बात पर निर्भर करेगा कि वहां की सरकार देश में लोकतंत्र सुनिश्चित करने को लेकर कितनी गंभीर रहती है।

(अंतरराष्ट्रीय हिन्दी दिवस 10 जनवरी पर विशेष)

भाषा को नकारना अपनी संस्कृति को विस्मरण करना है

हमारी संस्कृति के कई बिन्दु ऐसे हैं, जिसे सुनकर या देखकर हम सभी को गौरव की अनुभूति होती है। उसमें से एक है हमारी हिन्दी भाषा। जो हमारे मूल से प्रस्फुटित है। सही मायनों में हिन्दी भारत की संस्कृति भी है और गौरव गान भी है। जिसे हम जितना आचरण में लाएंगे, उतना ही हम सांस्कृतिक रूप से समृद्ध होते जाएंगे। यह सार्वकालिक सत्य है कि कोई भी देश अपनी भाषा में ही अपने मूल स्वत्व को प्रकट कर सकता है। निज भाषा देश की उन्नति का मूल होता है। निज भाषा को नकारना अपनी संस्कृति को विस्मरण करना है। जिसे अपनी भाषा पर गौरव का बोध नहीं होता, वह निश्चित ही अपनी जड़ों से कट जाता है और जो जड़ों से कट गया, उसका अंत हो जाता है। भारत का परिवेश निःसंदेह हिन्दी से भी जुड़ा है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि हिन्दी भारत का प्राण है, हिन्दी भारत का स्वाभिमान है, हिन्दी भारत का गौरवगान है।

आज हम जाने-अनजाने में जिस प्रकार से भाषा के साथ मजाक कर रहे हैं, वह अभी हमें समझ में नहीं आ रहा होगा, लेकिन भविष्य के लिए यह अत्यंत दुखदायी होने वाला है। वर्तमान में प्रायः देखा जा रहा है कि हिन्दी की बोलचाल में अंग्रेजी और उर्दू शब्दों का समावेश बेखटके हो रहा है। इसे हम अपने स्वभाव का हिस्सा मान चुके हैं, लेकिन हम विचार करें कि क्या यह हिन्दी के शब्दों की हत्या नहीं है? हम विचार करें कि जब भारत में अंग्रेजी नहीं थी, तब हमारा देश किस स्थिति में था। हम अत्यंत समृद्ध थे, इतने समृद्ध कि विश्व के कई देश भारत की इस समृद्धि से जलन रखते थे। इसी कारण विश्व के कई देशों ने भारत की इस समृद्धि को नष्ट करने का तब तक षड्यंत्र किया, जब तक वे सफल नहीं हो गए। हमें एक बात ध्यान रखनी होगी कि हम अंग्रेजी को केवल एक भाषा के तौर पर स्वीकार करें। भारत के लिए अंग्रेजी केवल एक भाषा ही है। जब हम हिन्दी को मातृभाषा का दर्जा देते हैं तो यह भाव हमारे स्वभाव में प्रकट होना चाहिए। हिन्दी हमारा स्वत्व है। इसलिए कहा जा सकता है कि हिन्दी हृदय की भाषा है।

भाषाओं के मामले में भारत को विश्व का सबसे बड़ा देश निरूपित किया जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। भारत दक्षिण के राज्यों में अपनी एक भाषा है, जिसे हम विविधता के रूप में प्रचारित करते हैं। कभी-कभी यह भी देखा जाता है कि राजनीतिक कारणों के प्रभाव में आकर दक्षिण भारत के कुछ लोग हिन्दी का विरोध करते हैं। दक्षिण भारत के राज्यों में जो भाषा बोली जाती है, उसका हिन्दी भाषियों ने सदैव सम्मान किया है। भाषा और बोली तौर पर भारत की एक विशेषता यह भी है कि चाहे वह दक्षिण भारत का राज्य हो या फिर उत्तर भारत का, हर प्रदेश का नागरिक अपने शब्दों के उच्चारण मात्र से यह प्रदर्शित कर देता है कि वह किस राज्य का है। प्रायः सुना भी होगा कि भाषा को सुनकर हम उसका राज्य या अंचल तक बता देते हैं। यह भारत की बेहतरीन खूबसूरती ही है।

जहां तक राष्ट्रीयता का सवाल आता है तो हर देश की पहचान उसकी भाषा भी होती है। हिन्दी हमारी राष्ट्रीय पहचान है। दक्षिण के राज्यों के नागरिकों की प्रादेशिक पहचान के रूप में उनकी अपनी भाषा हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय पहचान की बात की जाए तो वह केवल हिन्दी ही हो सकती है। हालांकि आज दक्षिण के राज्यों में हिन्दी को जानने और बोलने की उत्सुकता बढ़ी है, जो उनके राष्ट्रीय होने को प्रमाणित करता है। आज पूरा भारत राष्ट्रीय भाव की तरफ कदम बढ़ा रहा है। हिन्दी के प्रति प्रेम प्रदर्शित हो रहा है। आज हमें इस बात पर भी मंथन करना चाहिए कि भारत में हिन्दी दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। भारत में अंग्रेजी दिवस और उर्दू दिवस क्यों नहीं मनाया जाता। इसके पीछे यूं तो कई कारण हैं, लेकिन वर्तमान का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि आज हम स्वयं ही हिन्दी के शब्दों की हत्या करने पर उतारू हो गए हैं। ध्यान रखना होगा कि आज जिस प्रकार से हिन्दी के शब्दों की हत्या हो रही है, कल पूरी हिन्दी भाषा की भी हत्या हो सकती है। हम विचार करें कि हिन्दी भारत के स्वर्णिम अतीत का हिस्सा है। हिन्दी हमारी संस्कृति का हिस्सा है। ऐसा हम अंग्रेजी के बारे में कदापि नहीं बोल सकते।

आज हिन्दी को पहले की भांति वैश्विक धरातल प्राप्त हो रहा है। विश्व के कई देशों में हिन्दी के प्रति आकर्षण का आत्मीय भाव संचरित हुआ है। वे भारत के बारे में गहराई से अध्ययन करना चाह रहे हैं। विश्व के कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में हिन्दी के पाठ्यक्रम संचालित किए जाने लगे हैं। विश्व के कई देशों के नागरिक हिन्दी के प्रति अनुराग दिखा रहे हैं। इतना ही नहीं आज विश्व के कई देशों में हिन्दी के संस्करण प्रकाशित हो रहे हैं। जो वैश्विक स्तर पर हिन्दी की समृद्धि का प्रकाश फैला रहे हैं। भारत के साथ ही सूरीनाम फिजी, त्रिनिदाद, गुआना, मॉरीशस, थाईलैंड व सिंगापुर में भी हिन्दी वहां की राजभाषा या सह राजभाषा के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुकी है। इतना ही नहीं आबूधाबी में भी हिन्दी को तीसरी आधिकारिक भाषा की मान्यता मिल चुकी है। आज विश्व के लगभग 44 ऐसे देश हैं जहां हिन्दी बोलने का प्रचलन बढ़ रहा है। सवाल यह है कि जब हिन्दी की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ रही है, तब हम अंग्रेजी के पीछे क्यों भाग रहे हैं। हम अपने आपको भुलाने की दिशा में कदम क्यों बढ़ा रहे हैं।

20 जनवरी तक सुबह 10 बजे के बाद संचालित होंगे स्कूल

भोपाल। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार राज्य शासन ने स्कूलों के संचालन समय में परिवर्तन कर दिया है। इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेशानुसार आगामी 20 जनवरी तक के लिए स्कूल खुलने की नई समय-सीमा निर्धारित की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, ऐसे समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय, जो जल्दी सुबह से संचालित होते हैं, वे प्रातः 10 बजे से संचालित होंगे। दो पालियों में संचालित होने वाले शासकीय एवं अशासकीय स्कूल भी प्रातः 10 बजे से ही संचालित होंगे।

9 दिन में दुर्गा सप्तशती के 1000 पाठ होंगे

उज्जैन। श्री राम जानकी मंदिर खाकी अखाड़ा मंगलनाथ रोड़ खाक चौक पर आयोजित सहस्त्र चंडी नवकुंडीय यज्ञ में 9 दिन में दुर्गा सप्तशती के 1000 पाठ होंगे। यहां 80 ब्राह्मणों द्वारा यज्ञ किया जा रहा है जिसमें 5 लाख से अधिक आहुतियां डाली जाएंगी। खाकी अखाड़े के श्रीमहंत अर्जुन दास महाराज ने बताया कि 'श्री गुरू पंचामृत द्वादश पुष्प अमृत महोत्सव में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ, श्रीरामार्चन महायज्ञ (पूजन), श्री सहस्त्रचंडी नवकुंडीय महायज्ञ, श्री नवकुंडात्मक नवदिवसीय श्री सहस्त्रचंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

श्री महंत अर्जुनदास खाकी गुरू श्री रामदुलारेदासजी महाराज, अखिल भारतीय श्री पंच रामानंदीय खाकी अखाड़ा, उज्जैन बैठक, श्रीराम जानकी मंदिर खाकी अखाड़ा मंगलनाथ रोड़ खाक चौक उज्जैन, श्री लंबे हनुमान मंदिर गिरनार तलेटी जूनागढ़ गुजराती द्वारा आयोजित इस महोत्सव में यज्ञ किया जा रहा है। ज्योतिषाचार्य पंडित चंदन श्याम नारायण व्यास ने बताया कि सहस्त्र चंडी यज्ञ का विशेष महत्व है। वहीं यज्ञ शाला की परिक्रमा का भी विशेष महत्व है। दूर दूर से लोग यज्ञ दर्शन एवं यज्ञशाला की परिक्रमा करने हेतु आ रहे हैं। आपने बताया कि यज्ञशाला की परिक्रमा करने से अश्वमेघ यज्ञ का फल मिलता है।

महोत्सव में चल रही श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा में आचार्य डॉ. रामानंद दास महाराज ने भगवान कपिल द्वारा मां को दिये उपदेश की कथा सुनाते हुए कहा कि मनुष्य का सबसे बड़ा यदि कोई बंधन है तो वह आसक्ति, मोह है। मोह रूपी रोग से इतनी पीड़ा होती है फिर भी मनुष्य का मोह मिटता नहीं है। यही मोह संतों या भगवान में हो जाए तो भव बंधन कट जाता है। काजल की कोठरी में कालिग लग ही जाती है, मधुशाला की दुकान पर दो मिनिट रोज खड़े हो जाओ तो लोग शराबी समझने लगेंगे, उस जगह खड़े होना ही दोष है। जैसा करे संग वैसा चढ़े रंग, साधु के संग रहोगे तो वहां वैराग्य की बातें होंगी। आचार्य डॉ. रामानंद दास महाराज ने कथा के चतुर्थ दिवस पुरेजनोपाख्यान, प्रियव्रत, जड़भरत अजामिल एवं प्रहलाद चरित्र की कथा सुनाई।

महाराजश्री ने कहा कि जो जिस चीज का अधिकारी नहीं है उसे नहीं देना चाहिये। जिसे जिसकी समझ नहीं उसे वो दोगे तो वह उसका दुरूपयोग करेगा या उपयोग नहीं करेगा। संसार के सभी प्राणी मनु की संतान है, इसलिए हम सब मनुष्य है। मनु लिखने के बाद ही मनुष्य बनेगा या मानव बनेगा। शरीर भगवान ने कृपा कर दिया है तो भजन करे, परिवार समाज के लिए उपयोग करें, इसका नाश होना ही है, इसे दिन रात सजाकर सहेजकर रखना व्यर्थ है। 13 जनवरी को भगवान राम चंद्र जी को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग भी लगाया जावेगा, साथ ही राम अर्चन भी की जावेगी।

गायत्री परिवार ने बहनों का कराया सामूहिक गर्भ संस्कार

उज्जैन। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज के तत्वावधान में लक्ष्मी नगर कालोनी में चल रहे 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ में दूसरे दिन हजारों नगर वासियों द्वारा यज्ञ कुंड में सुगंधित जड़ी बूटियों से आहुतियां समर्पित की। विशेष रूप से आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के अथक प्रयास से 70 बहनों का सामूहिक गर्भ संस्कार शांतिकुंज की टोली द्वारा करवाया गया।

आओ गढ़े संस्कार वन पीढ़ी उप जोन समन्वयक उर्मिला तोमर द्वारा गर्भ संस्कार के बारे में गर्भवती बहनों के आहार विहार, ध्यान योग व्यायाम, दैनिक दिनचर्या, गर्भ संवाद, गर्भ का ज्ञान विज्ञान आदि विषयों पर विस्तृत रूप में प्रकाश डाला गया। डॉ इशिता शास्त्री द्वारा प्रोजेक्टर द्वारा गर्भ संस्कार के बारे में विशेष जानकारी दी गई। मध्य जोन प्रभारी राजेश पटेल द्वारा संगठन की गरिमा पर प्रकाश डालते हुए नारी सशक्तिकरण के बारे में जानकारी दी गई। गायत्री परिवार द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा अभियान के उप जोन समन्वयक कृष्ण शर्मा बाबूजी द्वारा अखंड दीप एवं वन्दनिया माताजी के जन्मशताब्दी वर्ष 2026 तक अनवरत चलने वाली गतिविधियों की जानकारी देते हुए अंशदान, समय दान, साधना के साथ जन जागरण यात्रा की विस्तृत जानकारी दी गई। पुष्पेंद्र सिकरवार एवं दीक्षांत कावलेकर द्वारा शांतिकुंज की टोली एवं अतिथियों का गायत्री मंत्र दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। ज्योति कुशवाह द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। राजू बलेचा, गीता पाटीदार, ज्योति शर्मा, अशोक खींची, प्रकाश खींची, ज्योति कनाडे की टीम एवं माकड़ोंन से सुनीता शर्मा दीदी की टीम का यज्ञ शाला में अतुलनीय सहयोग प्रदान किया। आगनवाड़ी कार्यकर्ता बहनों का उर्मिला तोमर एवं आराधना सिकरवार द्वारा सम्मान किया गया। प्रवीण दुबे एवं विजय वर्मा द्वारा यज्ञ शाला निर्माण किया गया। शशिकांत शास्त्री, बाबूलाल बड़ोलिया, शंभुलाल प्रजापत द्वारा यज्ञ परिसर में पुस्तक मेला लगाया जा रहा है। कार्यक्रम प्रभारी उर्मिला प्रह्लाद सिंह तोमर ने बताया कि आज 9 जनवरी को प्रातः 8 बजे से गायत्री महायज्ञ उसके पश्चात पूर्णाहूति, प्रसाद वितरण एवं तुलसी के पौधों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। यज्ञ स्थल पर गुरूवेय आचार्य श्रीराम शर्मा का साहित्य उपलब्ध रहेगा जिसे बतौर प्रसाद परिजन अपने घर अवश्य ले जाए। इसी क्रम में 9 जनवरी तक प्रातः 7:30 से प्रज्ञायोग का आयोजन भी रखा गया है। समस्त परिजनों एवं धर्मप्रेमी भाई/बहनों से अनुरोध किया है कि, उपर्युक्त सभी कार्यक्रमों में सपरिवार एवं इष्टमित्रों सहित उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

रवि माली स्ट्रांग मैन, किरण हरोड़ स्ट्रांग वूमेन

उज्जैन। मध्यप्रदेश पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में उज्जैन जिला पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा हेल्थ एंड फिटनेस सिंडिकेट नागदा के सौजन्य से जिला स्तरीय क्लासिक बेंच प्रेस सबजूनियर, जूनियर सीनियर, मास्टर्स महिला/पुरुष प्रतियोगिता का विशिष्ट आयोजन टेंपल गेस्ट हाउस, नागदा में आयोजित किया गया। उज्जैन जिला पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के महासचिव कमल नंदवाना ने बताया कि चैंपियनशिप का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह चौहान, सी.एम अतुल भाजपा नगर अध्यक्ष, उज्जैन जिला पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन अध्यक्ष जय सिंह यादव, आर्य वशिष्ठ, मनोज कपासिया, संतोष जाजोरिया, नगर उपाध्यक्ष मोतीलाल प्रजापति द्वारा बजरंगबली के चित्र पर माल्या अर्पण, दीप प्रज्वलित कर किया गया।

विशेष अतिथि के रूप में पूर्व विधायक दिलीप सिंह शेखावत, पार्षद प्रकाश जैन, गोपाल यादव पूर्व नगर पालिक अध्यक्ष, पंडित भुनेश्वर शर्मा, पार्षद बबीता रघुवंशी प्रजापति समाज तहसील अध्यक्ष श्याम प्रजापति रहे। निर्णायक की मुख्य भूमिका स्टेट रेफरी दिलीप भुरिया, मनीष लश्करी, हर्षिता, अंबिकेश, कोषाध्यक्ष नरेंद्र मालवीय, शोएब कुरैशी, आनंद सोलंकी, अभिषेक सिंह राठौड़, अजय जाधव, उमेश पंवार द्वारा की गई। लगातार कड़कती ठंड में 11 घंटे चली प्रतिस्पर्धा में रवि माली ने 157.5 किग्रा वजन लिफ्ट कर स्ट्रांग मैन के खिताब पर अपना अधिकार सिद्ध किया वही महिला सशक्तिकरण के दौर में किरण हरोड़ ने 60 किग्रा वजन उठाकर स्ट्रांग वूमेन व टीम चैंपियनशिप की खिताब पर परशुराम जिम बड़नगर अरविंद शुक्ला ने अपना कब्जा जमाया।

कृषि महाविद्यालय उज्जैन में स्थापित करने के लिये शासन को प्रस्ताव भेजा जाये

उज्जैन। संभागायुक्त डॉ.संजय गोयल ने कृषि विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक में कहा कि कृषि विभाग कृषि महाविद्यालय उज्जैन में स्थापित करने शासन को प्रस्ताव भेजें। संभागायुक्त ने कहा कि किसानों को उन्नत तकनीकी एवं सलाह का लिंक सोशल साइट पर अनिवार्य रूप से भेजा जाये। कृषकों के वाट्सअप ग्रुपों पर भी जानकारी शेयर की जाये। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारी एवं वैज्ञानिक लगातार किसानों के सम्पर्क में रहें। संभागायुक्त ने सारथी एप पर किसानों को जोड़ने हेतु कृषकों का डाटा कृषि विज्ञान केन्द्र को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव-गांव से होकर गुजर रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा में समसामयिक वीडियो क्लिप किसानों को दिखाई जा रही है। इससे किसान खेती की नई तकनीक से रूबरू हो रहे हैं। संभागायुक्त ने उज्जैन में स्थित मिट्टी परीक्षण शाला के रिनोवेशन का प्रस्ताव आयुक्त किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग भोपाल को भेजने के निर्देश दिये और कहा कि मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में आवश्यकता अनुसार नवीनतम उपकरण उपलब्ध रहें, इस आशय का प्रस्ताव भी आयुक्त को भिजवाया जाये। संभागायुक्त ने देवास जिले में स्थित चंद्रकेशर शासकीय कृषि प्रक्षेत्र पर मजदूरों के भुगतान एवं कीटनाशक प्रयोगशाला उज्जैन में शुरू करवाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आत्मा परियोजना के तहत जिले के कृषकों को कृषि विज्ञान केन्द्र एवं शासकीय कृषि प्रक्षेत्रों का भ्रमण समय-समय पर कराया जाये, ताकि कृषक खेती के आधुनिकतम तौर-तरीकों से वाकिफ हो सकें।

संभागायुक्त डॉ.गोयल ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की समीक्षा की। उन्होंने संभाग अन्तर्गत लाड़ली लक्ष्मी योजना का वार्षिक लक्ष्य 61.28 प्रतिशत पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिये। बताया गया कि समग्र आईडी, जन्म प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड आदि की समस्याओं के कारण निराकरण की गति धीमी है। आयुक्त ने समस्त कलेक्टर्स को निर्देश दिये कि वे लाड़ली लक्ष्मी योजना के लक्ष्य प्राप्ति में बाधा उत्पन्न करने वाली समस्याओं का निराकरण करें। प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना की समीक्षा के दौरान संभागायुक्त ने पाया कि योजना के प्रथम प्रसव का वार्षिक लक्ष्य के विरूद्ध 56.69 प्रतिशत तथा द्वितीय प्रसव की उपलब्धी 60.6 प्रतिशत है, जो शत-प्रतिशत से काफी कम है। संभागायुक्त ने प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना में भी शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की समीक्षा करते हुए डॉ.गोयल ने समस्त पात्र महिलाओं को शत-प्रतिशत लाभांवित करने हेतु निर्देश दिये। बैठक में समीक्षा के दौरान संभागायुक्त ने पाया कि उज्जैन संभाग अन्तर्गत कुल 10 हजार 765 आंगनवाड़ी केन्द्रों में 10 हजार 642 पद आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के भरे हुए हैं, लेकिन 123 पद रिक्त हैं। वहीं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के 221 पद रिक्त हैं।

आबकारी अमले द्वारा होटल, ढाबों और अवैध रूप से मदिरापान कराने वाले स्थलों का निरीक्षण

इन्दौर। इंदौर जिले में मदिरा के अवैध रूप से निर्माण, विक्रय, परिवहन एवं अवैध रूप से भण्डारण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में आबकारी विभाग के अमले द्वारा अभियान चलाकर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। सहायक आबकारी आयुक्त श्री मनीष खरे के निर्देशन में जिले के विभिन्न वृत्तों में स्थित होटल, ढाबों, अवैध रूप से मदिरापान के स्थानों यथा जसपाल ढाबा स्टार चौराहा, कवेलू होटल बेस्ट प्राइस के पास, सरदार किचन कोकिलाबेन हॉस्पिटल के पास, गिल पंजाबी ढाबा, भुक्कड़ ढाबा, एमएस ढाबा, माँ भवानी ढाबा, एस के 11 ढाबा, एस एस फैमिली ढाबा, देशी तड़का ढाबा (सभी बायपास), जम्मू कश्मीर ढाबा, भिंड मुरैना ढाबा मांगलिया, चिकन माफिया, आशियाना आशीर्वाद ढाबा सांवेर रोड, पंजाबी नेशन ढाबा टी पी नगर, वीरजी द स्वेग खातीवाला टैंक, कबाबीलाल होटल भंवरकुआं, राजपूत ढाबा, मदरम ढाबा, भगवती ढाबा, कालका ढाबा

तथा महाकाल ढाबा महू के विरूद्ध कार्यवाही की गई। जिसमें जिले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में कुल 68 प्रकरण पंजीबद्ध किये गए। लगभग 92 लीटर देशी/ विदेशी शराब जप्त की गई जिसका बाजार मूल्य लगभग 60 हजार रूपये है। आबकारी विभाग द्वारा इस प्रकार की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण

इन्दौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार अधिकारियों ने अपने अधीनस्थ तथा अन्य कार्यालयों का निरीक्षण शुरू कर दिया है। इसी तारतम्य में एसडीएम बिचौली हप्सी श्रीमती कल्याणी पाण्डे द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम मिर्जापुर और बिचौली हप्सी के आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। आंगनवाड़ी केंद्र पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित पाई गई और गर्भवती एवं धात्री महिलाओं और बच्चो का रिकॉर्ड व्यवस्थित रूप से संधारित पाया गया। इस दौरान तहसीलदार भी उनके साथ थे।

कलेक्टर के निर्देश पर वाहनों की हुई चैकिंग

नियमों के उल्लंघन पर वसूला एक लाख 23 हजार 900 रुपये का जुर्माना, एक बस जप्त

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा दिये गये निर्देश के पालन में आर.टी.ओ., जिला प्रशासन, यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से विभिन्न मार्गों पर वाहनों की आकस्मिक चैकिंग की गई।

इस दौरान वाहनों के बीमा, फिटनेस, परमिट, रजिस्ट्रेशन, प्रदूषण प्रमाण पत्र, चालक लायसेंस, चालक-परिचालक वर्दी में है अथवा नहीं, यात्रियों की ओव्हरलोडिंग आदि चेक किया गया।

नियम विरुद्ध वाहन संचालन पाये जाने पर वाहन संचालकों के खिलाफ विभिन्न अपराधों में चालानी कार्यवाही की गई एवं बिना परमिट संचालन पाये जाने पर एक बस जप्त की गई।

वाहनों की आकस्मिक चेकिंग और चालानी कार्यवाही के दौरान संबंधित क्षेत्र के एसडीएम, परिवहन विभाग और यातायात विभाग का अमला भी मौजूद था। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि उक्त कार्रवाई के तहत कुल 127 वाहनों के विरूद्ध विभिन्न अपराधों में चालानी कार्यवाही कर दण्ड राशि 1 लाख 23 हजार 900 रुपए वसूल किये गये। उन्होंने बताया कि एक बस बच्चों को उज्जैन से ग्रेड मांचल पिकनिक पर ले जा रही थी। चेक करने पर पिकनिक का परमिट नही पाया गया। बिना परमिट के वाहन संचालन पाये जाने के अपराध में उक्त बस जप्त की गई।

इंदौर-उज्जैन मार्ग पर कुल 29 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। इसी तरह इंदौर खंडवा-बुरहानपुर मार्ग पर 25 वाहनों, इंदौर-देवास मार्ग पर 15 वाहनों, इन्दौर, महू, मानपुर, खरगोन, बडवानी, सेंधवा मार्ग पर 26 वाहनों, इंदौर-हरदा-होशंगाबाद रोड पर 13 वाहनों तथा इंदौर, बेटमा, धार, झाबुआ, अलिराजपुर मार्ग पर 19 वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई।

कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन के अमले ने शहर का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सड़कों पर रहने वाले गरीबों जरूरतमंदों की ज़रूरतें पूछी और उन्हें ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरित किए। जरूरतमंद लोगों को रैनबसेरा में रुकवाया।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर आशीष सिंह ने टीएल की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि वह अपने-अपने क्षेत्र का भ्रमण करें और फुटपाथ पर रहने वाले गरीब जनों को ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरित करें और उन्हें रेनबसेरों में रुकवाएं।

कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन की टीम सड़कों पर निकली। कलेक्टर के निर्देश के परिपालन में अधिकारियों ने बढ़ती ठंड को देखते हुए सड़क पर दिखाई देने वाले लोगों को कंबल वितरित किये, तथा जरूरतमंद लोगों को आसपास बने हुए रेन बसेरा में भी शिफ्ट। इसी क्रम में राऊ एसडीएम राकेश परमार, तहसीलदार नारायण नांदेडा और नायब तहसीलदार अपनी टीम के साथ सबसे पहले रणजीत हनुमान मंदिर पहुंचे। यहां पर उन्होंने गरीब लोगों से सबसे पहले उनके रहने का स्थान और जरूरतें पता की। इसके बाद उन्हें कंबल भी वितरित किए। उनसे आग्रह कर जरूरतमंदो को रेन बसेरा में रुकवाया।

गृह ज्योति योजना के लिए मालवा-निमाड़ में दी 1700 करोड़ की सब्सिडी

इन्दौर। राज्य शासन की महत्वपूर्ण अटल गृह ज्योति योजना का मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी प्रभावी क्रियान्वयन कर प्रत्येक पात्र उपभोक्ता को लाभान्वित कर रही है। एक वर्ष के दौरान मालवा और निमाड़ के उपभोक्ताओं के करीब साढ़े तीन करोड़ बिजली बिलों पर 1700 करोड़ की सब्सिडी दी गई है।

इन उपभोक्ताओं को प्रतिमाह प्रति बिल 570 रूपए तक की सहायता दी गई है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि आम उपभोक्ताओं की मदद के लिए शासन कृत संकल्पित हैं।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि गृह ज्योति योजना का इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, झाबुआ, आलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, आगर, शाजापुर, रतलाम, मंदसौर, नीमच में प्रभावी ढंग से क्रियान्वय किया जा रहा है। प्रति माह 29 से 34 लाख उपभोक्ता एवं औसतन 31 लाख उपभोक्ता योजना का लाभ ले रहे है। इन उपभोक्ताओं को प्रति बिल 570 रूपए तक की सब्सिडी प्रदान की गई है। वर्ष में करीब साढ़े तीन करोड़ बिलों पर 1700 करोड़ की सब्सिडी दी गई है। प्रबंध निदेशक श्री तोमर ने बताया कि बारह माह के दौरान इंदौर जिले में सबसे ज्यादा पचास लाख बिलों पर सब्सिडी दी गई है। इसके बाद उज्जैन, देवास, धार, खरगोन जिलों में 30 से 40 बिलों पर गृह ज्योति योजना के लाभार्थियों को सब्सिडी प्रदान की गई है।

अन्य जिलों में 8 लाख से 25 लाख बिलों पर सब्सिडी प्रदान की गई है। प्रबंध निदेशक श्री तोमर ने बताया कि दैनिक पांच यूनिट घरेलू खपत एवं तीस दिनों के अंतराल से अधिकतम 150 यूनिट खपत वाले इस योजना की पात्रता में आते है।

इन्हें प्रथम सौ यूनिट तक बिजली मात्र सौ रूपए में प्रदान की जाती है। प्रत्येक बिल पर सब्सिडी की राशि का स्पष्ट उल्लेख होता है। उपभोक्ताओं को सब्सिडी की राशि के अतिरिक्त बिल राशि की ही भुगतान करना होती है।

स्वच्छता के साथ ही इंदौर ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी देश को दिखाई नई राह

इन्दौर। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मंडाविया और प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल की उपस्थिति में यहां हेल्थ ऑफ इंदौर द्वारा नागरिकों के कराये गये प्रिवेंटिव हेल्थ केयर सर्वे का प्रकाशन किया गया। इस सर्वे की रिपोर्ट सांसद श्री शंकर लालवानी ने उक्त दोनों अतिथियों को सौंपी।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि इंदौर ने स्वच्छता के साथ अब स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी देश को नई राह दिखाई हैं। हेल्थ ऑफ इंदौर अभियान की तर्ज पर पूरे देश में प्रिवेंटिव हेल्थ केयर सर्वे करवाया जायेगा। यह सर्वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वस्थ्य भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम होगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मंडाविया ने कहा कि प्रिवेंटिव हेल्थ केयर समय की सबसे बड़ी जरूरत है। बदलते समय में हमे भी बदलना होगा। स्वास्थ्य के प्रति जवाबदेह और जागरूक बनने की जरूरत है। हर व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना होगा, जिससे की वह स्वस्थ रहे, इससे जान और माल की दोनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को देश के विकास में स्वस्थ रहकर भागीदारी करने की आवश्यकता है। स्वस्थ रहने के लिये सतत श्रम की जरूरत है।

नागरिकों को नियमित रूप से एक्सरसाइज करना होगा। एक्सरसाइज के लिये साइकलिंग बेहतर माध्यम है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है और स्वस्थ समाज बनता है, स्वस्थ समाज समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है।

उन्होंने सांसद श्री शंकर लालवानी के प्रयासों से हेल्थ ऑफ इंदौर अभियान के तहत कराये गये सर्वे की सराहना की और कहा कि यह सर्वे भारत सरकार के लिये उपयोगी होगा। प्रिवेंटिव हेल्थ सर्वे का विस्तार पूरे देश में किया जायेगा।

67वी राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारम्भ

विधायक जैन के मुख्य आतिथ्य में हुआ

उज्जैन। भारत माता मन्दिर परिसर में स्थित सरस्वती शिशु मन्दिर महाकाल पुरम में जिला प्रशासन और स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 67वी राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारम्भ उज्जैन उत्तर के विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

उल्लेखनीय है कि यह राष्ट्रीय स्तर की मलखंब प्रतियोगिता आगामी 12 जनवरी तक आयोजित की जायेगी। इसमें विभिन्न राज्यों से आये 14, 17 और 19 वर्ष आयुवर्ग के बालक-बालिका हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्री मुकेश टटवाल ने की। बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमला कुंवर, उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, श्री सोनू गेहलोत, श्री बहादुर सिंह बोरमुंडला, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संचालनालय श्री आलोक खरे, श्री सुशील श्रीवास, श्री विशाल शर्मा, श्री पुनीत श्रीवास्तव, श्रीमती तृप्ति अग्रवाल, श्री राजेश यादव एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया गया। सरस्वती वन्दना श्रीमती शैफाली चतुर्वेदी ने प्रस्तुत की। स्वागत भाषण जिला शिक्षा अधिकारी श्री आनन्द शर्मा ने दिया। इसके पश्चात विभिन्न राज्यों से आये खिलाड़ियों द्वारा मार्चपास्ट किया गया। प्रतिभा संगीत कला अकादमी की छात्राओं द्वारा

भगवान गणेश की वन्दना पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके बाद शासकीय उत्कृष्ट उमावि की छात्राओं द्वारा बुंदेलखण्ड का बधाई लोकनृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री जैन ने कहा कि हम सबके लिये यह बड़े सौभाग्य की बात है कि उज्जैन शहर में मलखंब की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उज्जैन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का गृह जिला है। मलखंब एवं अन्य प्राचीन खेलों को प्रोत्साहित करने के लिये सरकार द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। इसे आगे बढ़ाने के लिये वृहद स्तर पर आने वाले समय में कार्यक्रम आयोजित करने के प्रयास किये जायेंगे। इस प्रकार के खेलों से विद्यार्थियों के कौशल का संतुलित विकास होता है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में महापौर श्री मुकेश टटवाल ने कहा कि उज्जैन में समय-समय पर मलखंब, कुश्ती और दंगल के आयोजन होते रहते हैं। मध्य प्रदेश खेलों में अग्रणी राज्य के रूप में उभर रहा है। हम सबके लिये अत्यन्त हर्ष का विषय है कि मलखंब की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता आयोजित करने का अवसर हमें प्राप्त हो रहा है। उन्होंने अपनी ओर से सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता में देशभर के खिलाड़ी खेल

भावना के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपने-अपने प्रान्तों का नाम गौरवान्वित करेंगे।

श्रीमती कलावती यादव ने इस अवसर पर कहा कि मलखंब को मध्य प्रदेश में राज्य खेल का दर्जा प्राप्त है। केन्द्र सरकार द्वारा खेलों को प्रोत्साहित करने के लिये खेलो इंडिया कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। खेल का मैदान ही एक खिलाड़ी के लिये सबकुछ होता है। यहां खिलाड़ी खेल भावना से खेलते हैं और स्वस्थ प्रतियोगिता होती है। श्रीमती यादव ने प्रतियोगिता में शामिल होने आये सभी बच्चों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपने प्रदेश और देश का नाम रोशन करें।

अतिथियों द्वारा स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के ध्वज को फहराया गया। इसके पश्चात विधायक श्री जैन ने प्रतियोगिता के विधिवत उद्घाटन की उद्घोषणा की। खिलाड़ियों द्वारा अपने प्रदर्शन के दौरान खेल से जुड़े नियमों का पालन करने की शपथ ली गई। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा अतिथियों को प्रतियोगिता के स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कंवलजीत कौर ने किया और आभार प्रदर्शन श्री गिरीश तिवारी ने किया।

दिव्यांगजनों को लॉटरी के माध्यम से मकानों का आवंटन किया

उज्जैन। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत ए.एच.पी.घटक (भागीदारी में किफायती आवास) अंतर्गत नगर निगम द्वारा कानीपुरा क्षेत्र में निर्मित ई.डब्ल्यू.एस आवासीय इकाइयों में दिव्यांग श्रेणी हेतु आरक्षित शेष रहे 06 आवासों का आवंटन महापौर श्री मुकेश टटवाल की अध्यक्षता विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव के मुख्य आतिथ्य, निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक, क्षैत्रीय पार्षद श्री बबिता घनश्याम गौड के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया।

कानीपुरा क्षेत्र में निर्मित ई.डब्ल्यू.एस. आवासीय इकाईयों में दिव्यांग श्रेणी हेतु आरक्षित शेष रहे 06 आवासों के संबंध में प्राप्त कुल 12 आवेदनों की लॉटरी दो पृथक-पृथक भाग में कानीपुरा मल्टी परिक्षेत्र ब्लॉक ए-बी हेतु निकाली गई। जिसमें श्री कौशल पिता

मोतीलाल, श्री सत्यनारायण सोलंकी, श्री पप्पु सिंह चावड़ा, श्री धर्मेन्द्र बाबूलाल, श्री शांतिलाल प्रताप सिंह, श्री सतीश पुरोहित को मकान का आवंटन किया गया।

महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा कहा गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत मंछामन स्थित मल्टी का कार्य भी शीघ्र पूर्ण किया जाए ताकि वहां भी पात्र हिग्राहियों को मकानों का आवटंन किया जा सके।

इस अवसर पर एमआईसी सदस्य श्री शिवेन्द्र तिवारी, श्री रजत मेहता, श्री प्रकाश शर्मा, श्री सत्यनारायण चौहान, श्री जितेन्द्र कुवाल, श्री कैलाश प्रजापत, श्रीमती दुर्गाशक्ति सिंह चौधरी, झोन अध्यक्ष श्री विजय सिंह कुशवाहा, पार्षद श्री गब्बर भाटी, श्री राजेश बाथम, अपर आयुक्त श्री आर.एस. मण्डलोई, कार्यपालन यंत्री श्री जगदीश मालवीय उपस्थित रहे।

कवियों ने किया काव्य पाठ

उज्जैन। कार्तिक मेला अंतर्गत अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें देर रात तक कवियों द्वारा काव्य रचना का पाठ किया गया।

महापौर श्री मुकेश टटवाल की अध्यक्षता में निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव के मुख्यआतिथ्य में आयोजित कवि सम्मेलन में समाजसेवी श्री रूप पमनानी, श्री मनोज मालवीय विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मलित हुए। संयोजक श्री सुरेंद्र मेहर, एमआईसी सदस्य श्री रजत मेहता, श्री कैलाश प्रजापत, झोन अध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास, पार्षद श्री पंकज चौधरी, श्री दिलीप परमार, अपर आयुक्त श्री आदित्य नागर द्वारा कवियों को पुष्पमाला पहना कर स्वागत किया गया। कवि सम्मेलन में श्री वेदव्रत वाजपेयी, वीररस, लखनऊ, डॉ. कमलेश राजहंस, गीतकार, बनारस, श्री जॉनी बैरागी, हास्य, राजौद, पं. अशोक नागर, हास्य, शाजापुर, श्री कुलदीप रंगीला, व्यंग, देवास, श्री गौरव चौहान पैरोडी (जीटीवी फेम), नई दिल्ली, श्वेता सिंह, श्रृंगार गजल, बड़ौदा, श्री राहुल शर्मा, वीररस, खोरिया एमा, श्री पंकज प्रसून, गीतकार, धार, श्री नीरज निखिल, वीररस, कन्नौद, डॉ. ओम बैरागी, उन्हेल द्वारा रचना का पाठ किया गया एवं कवि सम्मेलन का संचालन श्री दिनेश दिग्गज द्वारा किया गया।

जुलूसों का संचालन देर रात तक न हो, डीजे संचालन में लगे युवाओं के पुनर्वास की व्यवस्था की जाए, जेलों का भी औचक निरीक्षण करें कलेक्टर्स-मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल में जोन और थानों की सीमाओं के प्रस्तावित युक्तियुक्तकरण का कार्य जनप्रतिनिधियों की सहमति से किया जाए। ऐसी व्यवस्था करें कि किसी भी जुलूस का संचालन देर रात तक न हो, आयोजन निश्चित समय सीमा में पूर्ण हों।

इसके लिए शांति समितियों के साथ पहले से ही बैठक कर कार्य योजना बनाकर उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

सघन बस्तियों से त्योहारों के समय निकलने वाले जुलूसों में जिन क्षेत्रों में अपराध, हिंसा, अव्यवस्था की संभावना रहती है, उन क्षेत्रों का विकास पुलिस तथा नगरीय निकाय सहित अन्य ऐजेंसियों के साथ मिलकर समन्वित रूप से किया जाए। उद्देश्य यह हो कि इन क्षेत्रों में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के साथ-साथ एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड आदि का आवागमन भी सुगम हो सके। मुख्यमंत्री डॉ यादव आज कुशाभाऊ ठाकरे हॉल में भोपाल संभाग की कानून व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर उपस्थित थीं।

अपराध और ठगी के नए तरीकों पर नियंत्रण जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि अपराध और ठगी के सामने आ रहे नए तरीकों पर नियंत्रण करने और इस संबंध में लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष कार्रवाई की जाए। उच्चाधिकारी इस पर भी नजर रखें कि थानों में बेकसूर लोगों को न फंसाया जाए और झूठी कार्यवाईयाँ न हों। निर्दोष लोगों को फंसाने वाले अधिकारी कर्मचारी के विरूध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि थानों में जब्त की गई सामग्री को उसके वास्तविक स्वरूप में ही रखा जाए, सामग्री से किसी भी प्रकार की छेड़-छाड़ न की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि थाना प्रभारी उनके क्षेत्र में रहने वाले संभ्रांत लोगों से भी संबंध और सम्पर्क बनाएं।

जेलों का भी औचक निरीक्षण करें कलेक्टर्स

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जिला कलेक्टर्स को जेलों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए, साथ ही प्रदेश के सभी जेलों में बंदियों की स्थिति का विश्लेषण कर 15 दिन में रिर्पोट प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया गया। डॉ यादव ने कहा कि कैदियों के पुनर्वास के लिए उन्हें जेलों में विभिन्न कौशल संबंधी व्यवसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जेलों में बंद गलत फंसाए गए लोगों को आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

डीजे संचालन में लगे युवाओं के पुनर्वास की व्यवस्था की जाए

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने धार्मिक स्थलों एवं अन्य स्थानों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित व नियम विरूद्ध प्रयोग पर कार्रवाई की समीक्षा करते हुए कहा कि डीजे संचालन में लगे युवाओं के पुनर्वास के लिए विश्वकर्मा योजना सहित नगरीय निकायों के साथ मिलकर रोजगार की अन्य योजनाएं संचालित करने के लिए कार्ययोजना बनाई जाए। डॉ यादव ने कहा कि शादी विवाह तथा अन्य अवसरों पर बैंड बाजा व शहनाई का उपयोग हमारी परम्परा है। इसे प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण तथा अन्य नवाचार किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने पुलिस बैंड प्रशिक्षण के लिए संचालित गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त की तथा 15 अगस्त तक सभी जिलों में पुलिस बैंड की बेहतर व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

नगरीय निकाय मांस विक्रय के लिए जल्द विकसित करें विशेष क्षेत्र

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि खुले में मांस के विक्रय पर कार्रवाई की जाए तथा नगरीय निकाय और नगर पंचायतें बजट में विशेष प्रावधान कर मांस विक्रय के लिए विशेष क्षेत्र विकसित करने की कार्रवाई तेज गति से करें। राज्य सरकार द्वारा हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

बैठक में गंभीर अपराधों में आदतन अपराधियों की जमानत निरस्तीकरण, महिला अपराधों पर नियंत्रण, मादक पदार्थों पर की गई कार्रवाई, नाबालिग बालक-बलिकाओं की बरामदगी, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, साइबर क्राइम पर की गई कार्यवाही तथा नवाचारों के संबंध में जानकारी दी गई। भोपाल नगरीय पुलिस आयुक्त श्री हरिनारायण चारी मिश्रा ने भोपाल नगरीय पुलिस के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि अपराध वर्ष 2022-23 में भोपाल में आईपीसी अपराध में 6 प्रतिशत की कमी आई है। हत्या के मामलों में 42 प्रतिशत, हत्या के प्रयास में 14 प्रतिशत,लूट में 16 प्रतिशत, बलात्कार में 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है और प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियां बढ़ी हैं। पुलिस आयुक्त ने भोपाल कमिश्नरेट रेट के उल्लेखनीय कार्यों को भी प्रस्तुत किया। बैठक में भोपाल संभाग के विधायकगण, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इंदौर संभाग के 40 आदिवासी विकासखण्डों में खोले जाएंगे रानी दुर्गावती प्रशिक्षण एवं ई-लाइब्रेरी केन्द्र

इंदौर। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबन्धन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डा. विजय शाह ने इंदौर में संभाग के सभी विभागीय अधिकारियों की बैठक ली और विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त श्री मालसिंह, पुलिस आयुक्त श्री मकरंद देउस्कर, जनजातीय कार्य विभाग एवं अनुसूचित जाति विकास के संभागीय उपायुक्त, संभाग के सभी जिलों के विभागीय सहायक आयुक्त, विकास खंड अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंत्री डा. विजय शाह ने जिलेवार विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जिलों में किए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की ऐसे निर्माण कार्य जिनकी लागत 50 लाख से अधिक है उनका संबंधित विभागीय अधिकारी भौतिक मॉनिटरिंग अवश्य करें। यह विभागीय अधिकारियों की जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि जिस वित्तीय वर्ष में कार्य स्वीकृत किए गए हैं उनका निर्माण कार्य उसी वर्ष में शुरू कर दिया जाए। ऐसे निर्माण कार्य जो अधिक समय से लंबित है उनकी एक अलग लिस्ट तैयार की जाए। मंत्री श्री विजय शाह ने कहा कि सभी जिला अधिकारी निर्माण एजेंसियों के साथ प्रत्येक माह बैठक आयोजित कर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। साथ ही हर तीन माह के अंदर निर्माण का स्पाट निरीक्षण भी करेंगे। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जिस भी जगह पर निर्माण कार्य किया जा रहा है वह जगह छात्र-छात्राओं के लिए आवागमन की दृष्टि से सुलभ हो।

मंत्री डा. विजय शाह ने संभाग अंतर्गत 1 हजार 166 छात्रावासों के संबंध में चर्चा के दौरान निर्देश दिए की सभी अनुसूचित जनजाति छात्रावासों में नियुक्त किए गए अधीक्षकों का अनिवार्य रूप से हर वर्ष 3 से 6 दिवस का मनोविज्ञान प्रशिक्षण कराया जाए। इससे अधीक्षक छात्र-छात्राओं की मानसिक स्थिति समझ सकेंगे और उन्हें उचित परामर्श भी दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि सभी छात्रावासों में सीसीटीवी कैमरा अवश्य लगाया जाए जिससे अनावश्यक को छात्रावास में

प्रवेश न कर सके। विशेष तौर पर लड़कियों के छात्रावास में नाइट विजन वाले सीसीटीवी कैमरा लगाया जाए। छात्रावास/आश्रमों के लिए संरक्षक की नियुक्ति की जाए। यह संरक्षक की जिम्मेवारी रहेगी कि वह हर माह अधीक्षक के साथ जाकर छात्रावास का निरीक्षण करें साथ ही हर दो माह में छात्रों के पालकों के साथ भी बैठक करें।

मंत्री डा. विजय शाह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए की जिला मुख्यालय एवं आदिवासी बाहुल्य विकासखंड में रानी दुर्गावती प्रशिक्षण केंद्र के साथ-साथ ई लाइब्रेरी भी बनाई जाए। उन्होंने कहा कि सभी 8 जिला मुख्यालय में यह कार्य 2024 के अंत तक संपन्न हो जाना चाहिए तथा सभी 40 विकासखण्ड में यह कार्य 2025 के अंत तक संपन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि इन प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से हम आदिवासी जनजाति विद्यार्थियों को प्रतियोगिता परीक्षा के लिए तैयार कर सकते हैं। इसके लिए हम प्रशिक्षण केंद्रों का जिले या ब्लॉक लेवल पर प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों से टाइअप कर सकते हैं। ई लाइब्रेरी के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्र के भी बच्चे प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर सकेंगे। मंत्री डा. विजय शाह ने कहा कि शासन स्तर पर जल्द ही ऐसी योजना बनाई जाएगी जिससे सभी जनजातीय विद्यार्थी 12वीं के बाद रोजगार उन्मुखी तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए कोलेटरल फ्री ऋण प्राप्त कर सकेंगे। बैठक में मंत्री श्री विजय शाह ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम सत्र 2022-23, इंदौर संभाग अंतर्गत संचालित विशिष्ट संस्थाओं की जानकारी,पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना की प्रगति, आवास सहायता योजना की प्रगति, वन अधिकार अधिनियम की प्रगति, लंबित अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों की जानकारी, लंबित पेंशन प्रकरणों की जानकारी, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना संबंधी, वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर एवं प्रशिक्षण सह उत्पादन केंद्र आदि विषयों की समीक्षा की।

महाकाल दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसादम के माध्यम से हेल्दी फूड मिलेगा-मुख्यमंत्री

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महाकाल दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को इस परिसर में प्रसादम के माध्यम से हेल्दी फूड मिलेगा। अच्छे स्वास्थ्य के लिए अच्छे आहार के विचार को क्रियान्वित किया जा रहा है। जन-स्वास्थ्य रक्षा सरकार की प्राथमिकता है। इस नाते गत कुछ सप्ताह में खुले में खाद्यान्न सामग्री बेचने और अस्वच्छ तरीके से माँसाहार के विक्रय पर अंकुश के लिए 25 हजार से अधिक दोषी लोगों को दंडित किया गया है। नागरिकों को अच्छा स्वास्थ्य देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत सरकार प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में एक मेडिकल कॉलेज के लिए संकल्पबद्ध है। इसके साथ ही प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज हो, इस दिशा में राज्य सरकार भरपूर प्रयास करेगी। समाज के गरीब वर्ग के साथ महिलाओं, किसानों और युवाओं के कल्याण को समान महत्व देते हुए योजनाएं क्रियान्वित होंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन में फूड स्ट्रीट प्रसादम एवं स्वास्थ्य संस्थाओं के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय मंत्री श्री मांडविया ने संयुक्त रूप से उज्जैन फूड स्ट्रीट (प्रसादम) का उद्घाटन किया। यह देश की पहली हेल्दी एंड हाइजैनिक फूड स्ट्रीट है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन की रचना को देखें तो यह पृथ्वी का लघु रूप भी है। दुनिया के इस छोटे से स्वरूप में 84 महादेव हैं, सप्त सागर हैं। काल का केन्द्र महाकाल है। उज्जैन भविष्य का ग्रीनविच है। जब 21 जून और 22 दिसम्बर को सूर्य देव कक्षा बदलते हैं तो अपनी परछाई भी नहीं दिखाई देती। उज्जैन में काल गणना पौराणिक काल से हो रही है। करीब 300 वर्ष पहले तक समय की गणना दुनिया में कहीं से होती थी तो वह शहर मध्य बिंदु उज्जैन था। इसलिए विज्ञान और प्राद्योगिकी विभाग के साथ ही अन्य संबंधित संस्थाओं के सहयोग से उज्जैन में ऑब्जर्वेटरी की स्थापना की पहल की गई। उज्जैन से अनेक विभूतियों का उदय हुआ है। हजारों वर्ष से विभूतियों का संबंध उज्जैन से रहा है। डॉ. यादव ने कहा कि प्रभु श्री राम पिता के श्राद्ध के लिए उज्जैन आए थे। इसी तरह भगवान श्री कृष्ण की शिक्षा-दीक्षा यहीं हुई। महात्मा बुद्ध के काल में सम्राट अशोक ने अपने बेटे और बेटी को यहीं से बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए अन्य देशों के लिए रवाना किया। सम्राट विक्रमादित्य, भर्तृहरि सभी का संबंध उज्जैन से रहा है। राजा भोज के विषद ज्ञान को भोज पत्रों से जाना जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मांडविया का केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से प्राप्त सहयोग के लिए आभार माना।

केन्द्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि महाकाल के पवित्र स्थान पर फूड स्ट्रीट का शुभारंभ हो रहा है। यह फूड स्ट्रीट यात्रियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। डॉ. मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने आयुष्मान भारत, हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के माध्यम से स्वास्थ्य संरचना को मजबूत बनाने की ठोस पहल की है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य क्षेत्र में आवश्यक आर्थिक संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने विकसित भारत के लिए नागरिकों का स्वस्थ होना आवश्यक माना है। पहली बार देश में यह हुआ है कि विकास को मनुष्य के स्वास्थ्य से जोड़ा गया है। सिर्फ अस्पतालों के निर्माण से स्वास्थ्य क्षेत्र में लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता। नागरिक स्वस्थ रहें, इसके लिए उन्हें हाइजैनिक फूड मिलना जरूरी है। आने वाले समय में उज्जैन के बाद अन्य नगरों में इस तरह के फूड स्ट्रीट प्रारंभ किए जाएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी समग्र दृष्टिकोण से नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहे हैं। कोविड के दौर में उनके नेतृत्व में जो लड़ाई लड़ी गई, दुनिया उसकी गवाह है। भारत में कोविड के प्रबंधन से विश्व के बड़े देशों को भी मोदी जी की क्षमताओं का ज्ञान हुआ। आज भारत सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रत्येक जिले को 100 करोड़ रूपए की राशि प्रदान कर रही है। नए भारत का निर्माण हो रहा है।

2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने का संकल्प लें-राज्यपाल

घट्टिया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल उज्जैन की जनपद पंचायत घट्टिया की ग्राम पंचायत सोढंग में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए।

उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने का संकल्प दिलवाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुलामी की मानसिकता को जड़ से उखाड़ने और देश की एकता को और ज्यादा सुदृढ़ बनाने और देश की रक्षा करने वालों का सम्मान करने में जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य निभाएं। राज्यपाल पटेल ने इस बात पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान लगाए गए शिविर में विभिन्न कारणों से छूट गए पात्र लोगों को पंजीकृत भी किया जा रहा है। इस प्रकार की यात्रा पहले कभी नहीं निकाली गई। केंद्र की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर और सशक्त बन रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं की चिंता करते हुए उज्ज्वला योजना शुरू की। आयुष्मान योजना के माध्यम से गरीबों के उपचार का खर्च उठा रही है। आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने कहा कि जो कभी भी जीवन में पक्का मकान नहीं बना सकते थे, प्रधानमंत्री ने उनके सिर पर पक्की छत का प्रबंध किया है। देश की जनता का आशीर्वाद निरंतर प्रधानमंत्री को मिल रहा है। उन्होने कहा कि सभी के प्रयासों से भारत विश्व गुरु बनेगा।

सांसद अनिल फिरोजिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी है कि शासन की सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिले और कोई भी हितग्राही शासकीय योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होने कहा कि कोरोना के कठिन काल में भी सरकार ने सभी वर्गों का ध्यान रखा। गरीब वर्ग के लोगों को निशुल्क अनाज वितरण किया गया। साथ ही सभी को निःशुल्क वैक्सीन भी उपलब्ध कराई गई। राजस्व विभाग के अंतर्गत बटांकन व सीमांकन से संबंधित प्रकरणों का निराकरण भी शीघ्रता से किया जाएगा। क्षेत्रीय विधायक सतीश मालवीय ने राज्यपाल को तुलसी का पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। ग्राम सोढंग के शासकीय माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात मेरी कहानी-मेरी जुबानी के अंतर्गत शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हुए हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किये। हितग्राही दिनेश पुत्र गंगाराम ने बताया कि पहले में कच्चे मकान में रहा करते थे, जिससे उनके परिवार को बहुत असुविधा होती थी। पीएम आवास योजना के माध्यम से उनके सिर पर पक्की छत आई है। मां को वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त हो रही है। बालक का आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत उपचार इंदौर में हुआ। गरीबों के लिए इतनी सारी कल्याणकारी योजनाएं प्रारंभ करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद। एक अन्य हितग्राही सुशीला ने बताया कि उन्हें उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन प्राप्त हुआ है। पहले बहुत परेशानी होती थी। अब गैस कनेक्शन आने के बाद कम समय में उनका भोजन बनकर तैयार हो जाता है। अन्य कार्यों के लिए काफी समय मिलता है। हितग्राही सपना चौहान ने बताया कि आजीविका मिशन के अंतर्गत उनका शिवशक्ति स्वसहायता समूह है। इससे कई महिलाओं को रोजगार मिल रहा है। साथ ही गांव की अन्य महिलाओं को उज्ज्वला योजना, गरीब कल्याण और आयुष्मान योजना का लाभ मिल रहा है। आजीविका मिशन से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। हितग्राही सीमा राठौर ने बताया कि उनके गांव में शासन की सभी योजनाओं का लाभ लोगों को मिल रहा है। शौचालय निर्माण हुए हैं। इसके लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद। ग्राम सोढंग में सरपंच धापूबाई को जल जीवन मिशन के अंतर्गत शत-प्रतिशत नल कनेक्शन गांव में किए जाने पर अभिनंदन पत्र वितरित किया गया। इसके अतिरिक्त मॉडल ओडीएफ का प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का प्रमाण पत्र, शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने का प्रमाण पत्र, ब्लड प्रेशर की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग करने पर विधायक सतीश मालवीय को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। अटल ज्योति योजना के अंतर्गत हितग्राही मांगीलाल को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। आजीविका मिशन के अंतर्गत स्व-सहायता समूह को चेक प्रदान किया गया।

जल्दी में नहीं है सरकार, नए आपराधिक कानून-चरणबद्ध तरीके से लागू किए जाएंगे

वार्षिक डीजीपी सम्मेलन में, पीएम मोदी ने सुझाव दिया कि तीन आपराधिक कानूनों को वर्ष 2024 के अंत तक सभी केंद्र शासित प्रदेशों से शुरू करते हुए चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा सकता है।

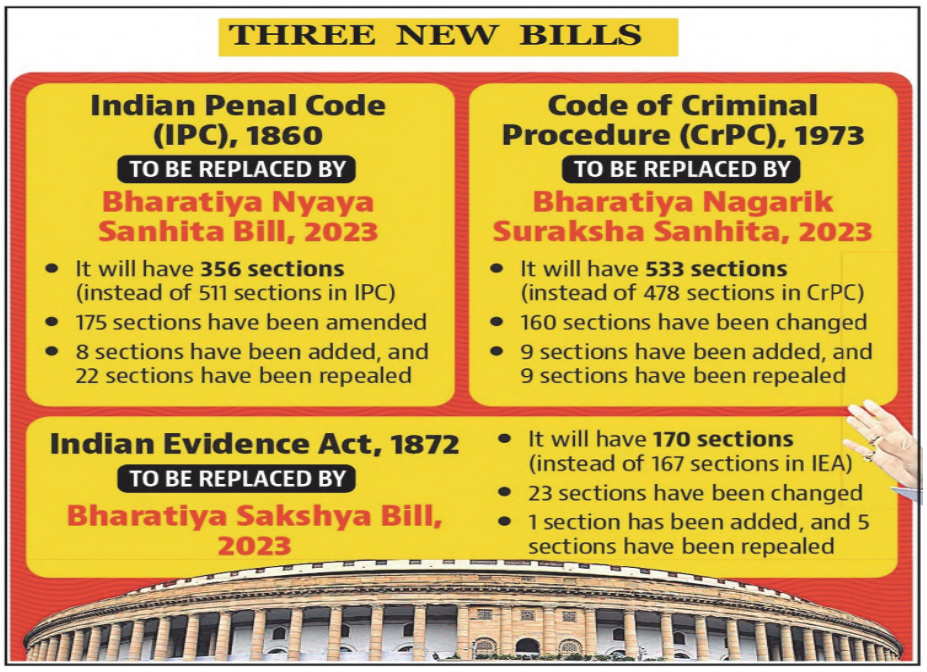

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) जो भारतीय दंड संहिता, 1860 का स्थान लेती है; भारतीय साक्ष्य (बीएस) जो भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 का स्थान लेता है; और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) जो दंड प्रक्रिया संहिता, 1898 का स्थान लेती है, को 25 दिसंबर को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया था। ऐसा समझा जाता है कि 7 जनवरी को जयपुर में संपन्न हुई वार्षिक पुलिस बैठक में, प्रधान मंत्री ने सुझाव दिया था कि तीन कानूनों को वर्ष के अंत तक सभी केंद्र शासित प्रदेशों में लक्षित तरीके से लागू किया जाना चाहिए, जैसा कि केवल चंडीगढ़ में किया जा रहा था। पहले से योजना बनाई गई थी. इस बात पर विचार किया गया कि हर राज्य को चरणबद्ध तरीके से कानून लागू करने की आजादी होगी। सरकार अब केंद्र शासित प्रदेशों से शुरू होने वाले तीन आपराधिक कानूनों के चरणबद्ध कार्यान्वयन पर विचार कर रही है, जिन्हें दिसंबर 2023 में अधिसूचित किया गया था।

मेरा बिल मेरा अधिकार योजना क्या है?

भारत सरकार सभी खरीद के लिए चालान/बिल मांगने वाले ग्राहकों की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए यह चालान प्रोत्साहन योजना शुरू कर रही है। और योजना के तहत हर तिमाही में 1-1 करोड़ रुपये के दो बंपर पुरस्कार दिए जाएंगे।

हर महीने, 10,000 रुपये के पुरस्कार मूल्य के साथ जीएसटी चालान के 800 लकी ड्रा होंगे। वहीं, 10 लाख रुपये के इनाम वाले 10 ड्रॉ भी होंगे। 1 करोड़ रुपये के बम्पर पुरस्कार के लिए, पिछले 3 महीनों में अपलोड किए गए सभी चालानों के लिए त्रैमासिक ड्रा आयोजित किया जाएगा।

योजना का उद्देश्य

जनता में 'बिल मांगो' को उनके अधिकार और अधिकार के रूप में सांस्कृतिक और व्यवहारिक परिवर्तन लाना है। यह योजना 1 सितंबर 2023 को शुरू की जाएगी और शुरुआत में इसे असम, गुजरात और हरियाणा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पुडुचेरी, दादरा नगर हवेली और दमन और दीव में पायलट के रूप में लॉन्च किया जाएगा।

यह पायलट योजना 12 महीने की अवधि तक चलेगी। जीएसटी-पंजीकृत आपूर्तिकर्ताओं (उन राज्यों में जहां पायलट प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है) द्वारा उपभोक्ताओं को जारी किए गए सभी बी2सी चालान योजना के लिए पात्र होंगे।

लकी ड्रा के लिए विचार किए जाने वाले चालान का न्यूनतम मूल्य रु. रखा गया है। 200 विजेता चालान नियमित अंतराल (मासिक/त्रैमासिक) पर या दृच्छिक ड्रा की विधि द्वारा चुने जाएंगे। ड्रॉ और पुरस्कार संरचना की आवधिकता छवि में दी गई है, चालान iOS और Android पर उपलब्ध मोबाइल एप्लिकेशन 'मेरा बिल मेरा अधिकार' के साथ-साथ सरकार की जीएसटी वेबसाइट के तहत मेराबिल वेब पोर्टल पर अपलोड किया जा सकता है।

इस स्कीम में कैसे भाग लें?

इस स्कीम में भाग लेने के लिए आपको 'मेरा बिल मेरा अधिकार' मोबाइल ऐप इंस्टाल करना होगा। इसमें लॉगिन करने के बाद पिछले एक महीने की पर्चेजिंग पर मिले 200 रुपए से ज्यादा मूल्य के GST बिल का फोटो अपलोड करना होगा।

आप अपने बिल को 'web.merabill.gst.gov.in' पर भी अपलोड करके इस स्कीम में भाग ले सकते हैं। इस स्कीम के जरिए आप एक महीने में अधिकतम 25 GST बिल अपलोड कर सकते हैं।

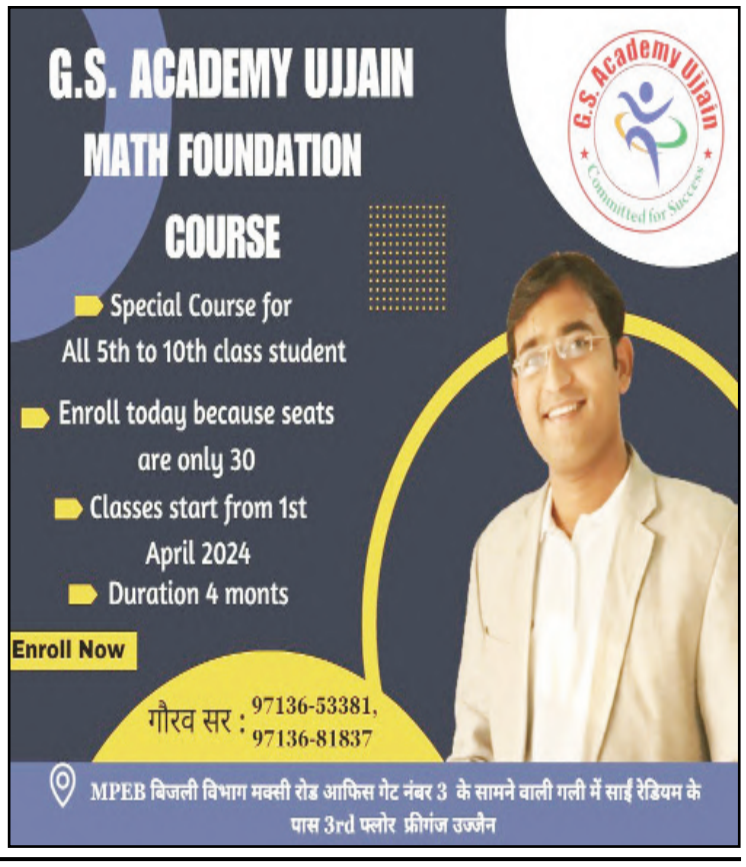

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)